दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, झांसी, एटा, औरैया, अमेठी, बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 9 अंक 245 | लखनऊ,सोमवार, 23 मार्च, 2020 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

कोरोना का कहर और 'जनता कर्फ्यू' का महत्व

चीन के वुहान शहर में मध्य दिसंबर 2019 से शुरू हुआ कोरोना वायरस (Corona virus disease - COVID-19), अब तक 170 से ज्यादा देशों में पहुंच गया है, जिनमें मुख्यत - थाईलैंड, ईरान, इटली, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं । इसके संक्रमण से मरने वाले लोगों की संख्या 11,401 हो गई है ।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने इसे महामारी घोषित कर दिया है । दुनिया भर की सरकारें कोरोना वायरस को लेकर लोगों को जागरूक करने पर ध्यान दे रही हैं । जानकारों का कहना है इसके संक्रमण को फैलने से रोककर ही इसे काबू में किया जा सकता है । इसके लक्षणों को पहचानकर ही कोरोना वायरस की बेहतर तरीके से रोकथाम की जा सकती है ।

क्या है कोरोना वायरस?

लैटिन भाषा में 'कोरोना'का अर्थ 'मुकुट' होता है और इस वायरस के कणों के इर्द-गिर्द उभरे हुए कांटे जैसे ढाँचों से इलेक्ट्रान सूक्ष्मदर्शी में मुकुट जैसा आकार दिखता है, जिस पर इसका नाम रखा गया था। यह वायरस भी जानवरों से आया है। कोरोना वायरस का संबंध वायरस के ऐसे परिवार से है, जिसके संक्रमण से जुकाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है। इस वायरस को पहले कभी नहीं देखा गया है। इस वायरस का संक्रमण दिसंबर में चीन के वुहान में शुरू हुआ था। डब्लूएचओ के मुताबिक, बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ इसके लक्षण हैं। अब तक इस वायरस को फैलने से रोकने वाला कोई टीका नहीं बना है ।

प्रो. भरत राज सिंह
महानिदेशक, स्कूल आफ मैनेजमेन्ट साइंसेस, व अध्यक्ष, वैदिक विज्ञान केन्द्र, लखनऊ-226501

क्या हैं इस बीमारी के लक्षण?

इसके लक्षण फ्लू से मिलते-जुलते हैं। संक्रमण के फलस्वरूप बुखार, जुकाम, सांस लेने में तकलीफ, नाक बहना और गले में खराश जैसी समस्या उत्पन्न होती हैं। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। इसलिए इसे लेकर बहुत सावधानी बरती जा रही है। कुछ मामलों में कोरोना वायरस घातक भी हो सकता है। खास तौर पर अधिक उम्र के लोग और जिन्हें पहले से अस्थमा, डायबिटीज़ और हार्ट की बीमारी है।

क्या हैं इससे बचाव के उपाय?

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सात आसान स्टेप्स बताए हैं, जिनकी मदद से कोरोना वायरस को फैलने से रोका जा सकता है और खुद भी इसके इंफेक्शन से बचा जा सकता है । स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस से बचने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं, इनके मुताबिक, हाथों को साबुन से धोना चाहिए। अल्कोहल आधारित हैंड रब का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। खांसते और छींकते समय नाक और मुंह रूमाल या टिश्यू पेपर से ढककर रखें। जिन व्यक्तियों में कोल्डे और फ्लू के लक्षण हों उनसे दूरी बनाकर रखें। अंडे और मांस के सेवन से बचें। जंगली जानवरों के संपर्क में आने से बचें।

कोरोना से दुनिया भर में अब तक की भयावह स्थिति से 11,401 लोगों की मौत हो चुकी हैं-

- ईरान में अब तक कोरोना से 853 और दक्षिण कोरिया में 81 लोगों की मौत हो चुकी है।
- सिर्फ इटली में ही अब तक कोरोना से 2,158 लोगों की मौत हो गयी है ।
- चीन में अब तक कोरोना से प्रभावित लोगों की संख्या 80,824 हो गयी है।
- चीन में अब तक कोरोना से मरने वाले लोगों की संख्या करीब 3200 हो गयी है ।
- दुनिया भर में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 2,50,650 के पार चली गयी है ।

भारत में संक्रमण के 283 मामले

भारत में कोरोना से संक्रमण के मामलों की संख्या है. इनमें 2144 भारतीय और 39 विदेशी नागरिक हैं । कोरोना ने अब तक 170 देशों को अपनी चपेट में ले लिया है ।केरल में 26 लोगों में कोरोना के लक्षण पाए गए हैं। हालांकि, इनमें से 3 लोगों का इलाज हो चुका है।

कोरोना संक्रमण को रोकने में भारत की पहल

प्रधान मंत्री , नरेन्द्र मोदी ने चीन के वुहान शहर से शुरू हुए इस महामारी संक्रमण को रोकने के लिए चीन को दवाये, सेंटीनाइजर व मास्क की खेप भेजवाया तथा चीन में फसे भारत तथा अन्य देशो के नागरिको को एयरलिफ्ट कराकर, उन्हें अलग डिटेंशन केन्द्रों में रखकर इलाज कराकर भेजवाया। यही नहीं, अन्य देशो में रह-रहे व फसे भारतीय नागरिको, वही पर डाक्टरो को भेजवाकर डिटेंशन केन्द्रों में इलाज करवा जा रहा है ।

सार्क देशों के प्रमुखों से पीएम मोदी ने की चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 मार्च 2020, रविवार शाम 5 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोरोना वायरस पर सार्क देशों के प्रमुखों से चर्चा की । इस चर्चा में अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी, मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम सोली, श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबया राजपक्ष, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, भूटान के प्रधानमंत्री और नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली शामिल हुए। पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री इस चर्चा में शामिल हुए। सभी प्रमुखों ने मिलकर कोरोना का मुकाबले करने पर सहमति जताई । इटली में 27,980 लोग जानलेवा वायरस कोरोना की चपेट में आ चुके हैं।

प्रधानमंत्री ने पूरे विश्व में फैले कोरोना वाइरस को मानवता के लिए खतरा घोषित किया-

प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी ने भारतवर्ष में दिनाक 22 मार्च 2020 को 'जनता कर्फ्यू' घोषित कर दिया गया है । सभी माल, सिनेमा घर, दुकाने, धार्मिक स्थलों, आवागमन के लिए ट्रेन, बस सेवा, पर्यटक स्थलो, शिक्षण संस्थानों, कार्यालयों आदि को बंद कर दिया गया है ।नागरिको से आवाहन किया है कि वह सुबह। बजे से शाम 9 बजे तक घरो से बाहर न निकले तथा सायं 5 बजे अपने-अपने घरो से बाहर दरवाजे के पास खड़े होकर ताली बजाकर, थाली बजाकर तथा सीटी बजाकर महामारी संक्रमण को दूर करने में दिन-रात लगे डॉक्टरो, प्रसाशनिक अधिकारियों तथा कर्मियों आदि को उनके इस अथक प्रयाश हेतु सम्मान प्रकट करे । इसके लिए भारतवर्ष के प्रधानमत्री, नरेन्द्र मोदी की सराहना विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने की और कई देशो से लगातार प्रशंसा मिल रही है । आइये, इस 'जनता कर्फ्यू' को समझें और इसके वैज्ञानिक पहलू का आकलन करें : कोरोना वायरस संक्रमण कैसे फैलता है उसको समझे ।जब कोई संक्रमित व्यक्ति खासता या छींकता है तो संक्रमित वायरस की बुँदे दूसरे के ऊपर पहुच जाती है अथवा जिस स्थान पर वह बैठा है, उसपर एकत्रित हो जाती है और जब कोई अन्य व्यक्ति 10 घंटे के अंधार संपर्क में आ जाता है तो यह कोरोना वायरस उसमें भी पहुँच जाता है और संक्रमित कर देता है । यदि ऐसे व्यक्ति को अलग डिटेंशन केन्द्र में रखा दिया जाता है । जहां से संक्रमण दूसरे में नहीं पहुचता है और इमुनिटी के अनुसार मरीज कुछ 15-29 दिनों में ठीक हो जाता है ।

इसी चेन को तोड़ने के लिए प्रधानमंत्री जी ने भारत की जनता से आवाहन किया है कि सब लोग जनता कर्फ्यू लगाकर 14 घंटे अगर बाहर ना निकले और एक दूसरे से न मिले तो कोरोना वायरस के कण मर जायेंगे और इस पर शीघ्र ही नियंत्रण पाया जा सकता है ।

आइये अपने लिए, परिवार के लिए, अपने पडोसी, नात-रिश्तेदार, साथी-सहयोगी, आदि के अलावा इस मानवता के लिए जनता कर्फ्यू को 'मनसा वाचा कर्मणा' का भाव रखते हुए सफल बनाने में अपना योगदान दे । मानवता बचेगी, विश्व की चेतना बचेगी और आनेवाली पीढ़ी भी मजबूत होगी ।